वि. वि. मं.
रामकृष्ण महादेव साळगांवकर उच्च माध्य. विद्यालय
कोंब मडगांव गोवा

दिनांक १९।१।२०२४ विषय :हिन्दी समयः ३ घंटे
कक्षाः १२वीं अंकः ८०

सूचनाः

१.प्रत्येक मुख्य प्रश्न का उत्तर नये पन्ने से ही शुरू करें।
२. प्रश्न कमांक और उप प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।
३.सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
४.दायी ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न केअंक दर्शाती है

खंड - क

निम्नलिखित विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर पंक्तियों को फिर से लिखिए। (२)

१. पडितजी ने धर्म को धन का _____
ऐसा निरादर करते कभी न देखा था ।
ऐसा आदर करते कभी न देखा था ।
ऐसा सम्मान करते कभी न देखा था ।
ऐसा अपमान करते कभी न देखा था ।

२. हमने जो जीवन भर की कमाई दे दी और उनकी नजर में _____
पैसा पूरा नही दिया था।
धन पूरा नही दिया था।
दहेज पूरा नही दिया था।
मरहम पूरा नहीं दिया था।

कोष्टकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द रिक्त स्थानों में भरकर निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को फिर से लिखिए। (२)

३. गर्मियों के दिन थे, दिवा का _____ रुप।
(तमतमाता , चमचमाता , झगमगाता)

४. वे आज के_____ में आदमी से अधिक बडे सत्य है।
(युग, माहौल ,जमाने)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर एक एक वाक्य में लिखिए । (२)

५ शल्य को कर्ण का कौनसा व्यवहार कायरों जैसा लगा ?

६. कवि के अनुसार आम आदमी की पीडा किसके समान है ?

अथवा

बेटी के क्या कहने पर कवयित्री का मन प्रफुल्लित हुआ?

निम्नलिखित गंद्यांश को पढकर अंत में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

बच्चे और युवक किसी देश के भविष्य की तस्वीर होते हैं। वे हमारे भविष्य के लिए आशा है।हमारे समाज का एक महत्त्वपूर्ण,सशक्त और संसाधनों से भरा हुआ वर्ग युवकों का है जिनमें आसमान की बुलंदियों को छू लेने की आकांक्षा धधक रही है।यदि उनकी उर्जा को सही दिशा दी जाए तो उससे ऐसी गतिशीलता पैदा होगी जो राष्ट्र को विकास के तेज वाहन में दौडा देगी। युवको को अपनी योजना और विकास प्रक्रिया का केंद्रबिंदु मानते हुए हमे इस विशाल और बहुमूल्य मानव संसाधन की देखरेख करने की आवश्यकता है। विकास की गतिविधियों में युवको की आवश्यकता,अधिकारों और आकांक्षाओं को अहमियत देना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

७. हमारे युवकों में किस प्रकार की आकांक्षा धधक रही है ? (१)

८. युवकों के प्रति हमारी कौनसी प्राथमिकता होनी चाहिए? (१)

९ .उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है और उसके लेखक कौन है ? (१)

१०. युवकों की उर्जा को सही दिशा मिलने पर क्या होगा ? (१)

निम्नलिखित गद्य अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए। (४)

११. "अच्छा हुआ कि मैं उसी समय आ गई,वरना नानी माँ आप लोगों की खूब खबर लेती "

अथवा

"उन्हें याद हो आती उन रेलगाडियों की जो आती और थोडी देर रुककर किसी और लक्ष्य की ओर चली जाती।"

खंड-ख

निम्नलिखित पद्य अवतरणों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (४)

१२ रावनु रथी बिरथ रघुबीरा। देखि बिभीषन भयउ अधीरा ॥
अधिक प्रीति मन भा संदेहा। बंदि चरन कह सहित सनेहा ॥

अथवा

कहलाने एकत बसत अहि , मयूर , मृग , बाघ।

जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ दाघ निदाघ

निम्नलिखित पद्य अवतरणों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (४)

१३. पौंछें की तरह रगड देना चाहिए उदासी को

चमकने देना चाहिए मन को उजले फर्श की तरह ।

बदल देना चाहिए उदासी को उजाले में

अथवा

हँसकर बोला राधेय ' शल्य पार्थ की भीती उसको होगी

क्षयमान ,क्षणिक , भंगुर शरीर पर मृषा प्रीति जिसको होगी।

इस चार दिनों के जीवन को , मैं तो कुछ नही समझता हूँ

करता हूँ वही ,सदा जिसको भीतर से सही समझता हूँ॥

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो केउत्तर लिखिए। (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ४० से ४५ शब्दों में हो।) (६)

१४. पाठ के आधार पर लोहिया की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

१५. सदाचार का तावीज पाठ में भ्रष्टाचार पर कैसे व्यंग्य किया है ?

अथवा

बंगले के बारे में ठेकेदार ने कौन कौन सी उपलब्धियों का जिक्रकिया ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो केउत्तर २० से २५ शब्दों में लिखिए । (४)

१६ . कबीर ने अपने दोहों में गुरु की महत्ता का वर्णन कैसे किया है ?

१७. पोस्टर और आदमी कविता के व्यंग्य को स्पष्ट किजिए ?

अथवा

कवि दुष्यंत कुमार ने गजल में सामाजिक दुर्दशा की भीषणता पर कैसे व्यंग्य किया है ?

निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए। (२)

१८. मुख ,

१९. लडाई

निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। (२)

२०. विदा

२१. नदी

निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए । (२)

२२. दीन

२३. लडका

निम्नलिखित शब्दों के रूप उपसर्ग लगाकर बदलिए। (२)

२४. कोप

२५. वक्त

निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी रूप लिखिए। (२)

२६. सन्नाटा

२७. विरोध

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। (२)

२८. नदी तट पर आपने मेरी प्रार्थना नही स्वीकारा थी ।

२९. इसके पश्चात् लोहिया ने अपना सारा जीवन उस प्रतिमा को तोडने में लगा दिये।

कोष्टकों में दी गई संज्ञाओं का उचित कारक रूप रिक्त स्थानों में भरकर वाक्यों को फिर से लिखिए। (२)

३०. मिसरानी ने मुसकाते हुए _____ व्यंग्य किया । (पंडितजी)

३१. अलगनी पर बसंती के कपडे _____ पडे थे। (लापरवाही)

कोष्टकों में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्यों को फिर से लिखिए। (२)

३२. हिंदुस्थान का पूरा स्वरूप बदल जाता। (सामान्य भविष्यकाल)

३३. साधु सदाचार का तावीज बनाते है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

निम्नलिखित मुहावरें का अर्थ लिखक सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (२)

३४. हृदय में शूल उठना

अथवा

आसन जमाना

निम्नलिखित कार्यालयीन शब्दों का हिंदी में अनुवाद कीजिए । (२)

३५. Gazette

३६ Registrar

३७. 'वनों का संरक्षण' इस विषय पर विवेक और विधी इन दो छात्रों के बीच हुआ संवाद २० से २५ वाक्यों में लिखिए। (५)

३८. सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, सांखळी व्दारा आयोजित देशभक्ति गीतगायन प्रतियोगिता पर ७० से ७५ शब्दों में एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। (५)

३९. आर्य/ आर्या नायक, साई निवास, किर्लपाल, सावर्डे गोवा से पर्यावरण मंत्री, गोवा राज्य सरकार, पणजी गोवा को खान (मायनिंग) व्यवसाय के कारण होनेवाले प्रदूषण के बारे में शिकायती पत्र लिखता / लिखती है । (५)

अथवा

गौतम \ गौरी गावस, घर क्र. ९५०, गांधी नगर, केपे गोवा से नीचे दिए गए विज्ञापन के आधार पर आवेदन पत्र तैयार करता \ करती है।

आवश्यकता
हिंदी शिक्षक
शैक्षणिक योग्यताएँ - बी. ए (हिंदी)
एम . ए (हिंदी)
शिक्षण प्रशिक्षण अनिवार्य
संगणक का ज्ञान आवश्यक
अनुभव - कम से कम एक साल
पूरी जानकारी के साथ आवेदन करें।

संर्पक - प्राचार्य
विविधा उच्च माध्यमिक विद्यालय
केपे गोवा।

निम्नलिखित अपठित अवतरण को पढकर अंत में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्राचीनकाल से ही मनुष्य वृक्षों की उपयोगिता के कारण वृक्षों को देवता का रूप देकर उनकी पूजा करता चला आ रहा है।प्राचीन समय में वन बहुत भयंकर होते थे। किसी अपराध के कारण यदि किसी व्यक्ति को देश से निकाल दिया जाता था, तो उसे वन में जाकर रहना पडता था। वनों को एक पवित्र एवं शान्तिमय स्थल भी समझा जाता था, जहाँ ऋषि मुनि ,महात्मा आदि इस संसार के कोलाहल से दूर वातावरण में भगवद् भजन किया करते थे।
उन्नीस सौ पचास का यह महान वर्ष जब देश का नया संविधान बना तब वृक्षों की उपयोगिता स्पष्ट करन के लिए वनमहोत्सव का अखण्ड कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। स्थान के साथ साथ वृक्षों की आकृति भी परिवर्तित होती रहती है। जैसे की शीत प्रदेश में पाये जानेवाले वृक्षों की पत्तियाँ नुकिल होती है,तथा वे वृक्ष कोणदार वृक्ष कहलाते है। मैदानी भागों में वृक्ष पृथ्वी से अधिक गहराई तक धँसे रहत है। वृक्षों की गहरी जडें पृथ्वी में मिट्टी को मजबूती से जकडे रहती है, इसी कारण वृक्षों की सहायता से बाढ का प्रकोप नियंत्रण किया जाता है।

४०. बाढ केप्रकोप पर नियंत्रण करने के लिए वृक्ष हमारी किस प्रकार मदद करते हैं ? (१)
४१. प्राचीन काल में अपराधियों को किस प्रकार दण्ड दिया जाता था ? (१)
४२. शीत प्रदेश में पाये जानेवाले वृक्षों की विशेषताएँ बताइए। (१)
४३ .१९५० में वनमहोत्सव का कार्यक्रम क्यों आयोजित किया गया ? (१)
४४. उपर्युक्त अवतरण के लिए एक ही उचित शीर्षक दीजिए । (१)

अथवा

नीचे दिए गए अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीगिए।

There was a fierce and war like young king who possessed everything that The heart of man could wish .But in spite of all his wealth and his might , he was the most unhappy man in his kingdom ; his restless mind was so full of ambitious schemes that he could not even sleep . He summoned to his court the most famous doctors of the world , but none of them was able to cure him. At last , he made a proclamation that he would give half of his kingdom to anyone who could restore a natural and peaceful sleep to him .

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग २०० शब्दों में निबंध लिखिए (८)

४५. बस स्टैंड पर आधा घंटा ।
भूकंप पीडित की आत्मकथा ।
अहिंसक भारत में हिसा का दौर ।
परिश्रम ही सफलता की कुंजी है